Ashes: इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 284 पर समेटा, स्टीवन स्मिथ ने बनाए आधे से ज्यादा रन

एशेज सीरीज 2019:- ऑस्ट्रेलिया ने एक समय अपने 8 विकेट 122 रन बनने तक गंवा दिए थे. स्टीवन स्मिथ ने शतक बनाकर टीम को संकट से उबारा

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ (Steven Smith) ने बैन के बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक के साथ वापसी की है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार (1 अगस्त) को एशेज सीरीज (Ashes Series) के पहले टेस्ट में बेहतरीन शतक जमाया. उनकी इस पारी की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया संकट से उबरकर लड़ने लायक स्कोर बना सका. 122 के स्कोर पर आठवां विकेट गंवाने वाली ऑस्ट्रेलिया (Australia) की टीम ने 284 रन का स्कोर बनाया. इसमें आधे से ज्यादा योगदान स्टीवन स्मिथ का रहा. उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 24वां शतक लगाया. वे सबसे अधिक शतकों के मामले में विराट कोहली से बस एक शतक दूर हैं.

मेजबान इंग्लैंड (England) और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज (Ashes 2019) का पहला टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड पर खेला जा रहा है. ऑस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पैन ने मैच में टॉस जीता और पहले बैटिंग का फैसला लिया. ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट ओपनिंग करने उतरे. ये दोनों ही खिलाड़ी अपनी टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे सके. वॉर्नर दो और बैनक्रॉफ्ट आठ रन बनाकर आउट हुए. उस्मान ख्वाजा भी 13 रन ही बना सके.

35 के स्कोर पर तीसरा विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम बेहद दबाव में थी. पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने अपनी टीम को इस संकट से उबारा. उन्होंने ट्रेविस हेड (35) के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की. हेड 99 के टीम स्कोर आउट हुए. ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद चार और विकेट जल्दी-जल्दी गंवाए. उसका स्कोर एक समय 8 विकेट पर 122 रन हो गया. लेकिन स्मिथ डटे रहे.

30 साल के स्मिथ ने पीटर सिडल (44) के साथ नौवें विकेट के लिए 88 रन और नाथन लॉयन के साथ 10वें विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की. इन साझेदारियों की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया की टीम 284 के स्कोर तक पहुंच सकी. स्टीवन स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे. उन्होंने आउट होने से पहले 219 गेंदों का सामना किया और 144 रन बनाए. इसमें 16 चौके और दो छक्के शामिल रहे.

इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड (Stuart Broad) ने सबसे अधिक पांच विकेट झटके. इसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए. ओवरऑल करियर की बात करें तो उन्होंने 128 मैचों में 449 विकेट लिए हैं. ब्रॉड के अलावा क्रिस वोक्स ने इंग्लैंड के लिए अच्छी गेंदबाजी की. उन्होंने तीन विकेट लिए. मोइन अली और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला. जेम्स एंडरसन मैच में सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी कर सके. इसके बाद उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव की वजह से पैवेलियन लौटना पड़ा.

संजय बांगर ने किया खुलासा- धोनी को विश्व कप के सेमीफाइनल में नंबर-7 पर क्यों भेजा गया

नई दिल्ली. भारतीय टीम जब आईसीसी विश्व कप (World Cup 2019) में सेमीफाइनल में हारी तो सबसे अधिक चर्चा इस बात की थी कि धोनी को देर से बैटिंग के लिए क्यों भेजा गया. धोनी उस मैच में नंबर-7 पर बैटिंग करने आए थे और अर्धशतक भी लगाया था. मैच के बाद पूर्व क्रिकेटरों से लेकर आम प्रशंसकों तक की लगभग एक राय थी कि अगर एमएस धोनी (MS Dhoni) पहले बैटिंग करने आते तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था. मैच के बाद विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री ने मीडिया से कई बार बात की. लेकिन यह नहीं बताया कि धोनी को नंबर-7 पर भेजने का फैसला किसका था. वेस्टइंडीज से सीरीज (India vs West Indies) होने से ठीक पहले टीम इंडिया के बैटिंग कोच संजय बांगर ने इस बारे में बात की.

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच संजय बांगर (Sanjay Bangar) ने खुलासा किया कि महेंद्र सिंह धोनी को विश्व कप (ICC World Cup 2019) के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ नंबर-7 पर भेजने का फैसला सिर्फ उनका नहीं था. दो दिनों तक खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में 18 रन से हार झेलनी पड़ी थी. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 77 और धोनी ने

50 रन की पारी खेली थी. संजय बांगर ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझे आश्चर्य होता है कि लोग इस मामले में मेरी तरफ देखते हैं. यह अकेला मेरा निर्णय नहीं था. विश्वास कीजिए हमने सारी स्थितियों का जायजा लिया और उसके बाद यह निर्णय हुआ. हमने यह भी निर्णय किया था पांच, छह और सातवें नंबर बल्लेबाजी क्रम को लचीला रखा जाए. सभी खिलाड़ी निजी रूप से इससे अवगत थे.'

संजय बांगर ने कहा, 'विराट कोहली ने भी सेमीफाइनल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि अफगानिस्तान के साथ मैच के बाद यह तय किया गया था कि धोनी निचले क्रम में खेल सकते हैं. ऐसा इसलिए कि वह 35 ओवर के बाद मैच को संभाल सकते हैं. इसलिए उन्हें सेमीफाइनल में छठे नंबर पर भेजा गया.' उन्होंने कहा, 'दिनेश कार्तिक को प्रमोट करके पांचवें नंबर पर भेजा गया. लेकिन विकेट के पतन के बाद धोनी पर फिनिशर की जिम्मेदारी आ गई. रवि शास्त्री ने भी यह कहा कि धोनी को नीचे भेजने का निर्णय टीम का था. इसलिए उन्हें सातवें नंबर पर भेजा गया.'

टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब 'हिटमैन', सिर्फ इतने कदम दूर हैं

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा (Rohit Sharma) टी-20 क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल (Chris Gayle) का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब हैं. रोहित ने 94 टी-20 मैचों में अब तक 102 छक्के लगाए हैं जबकि गेल ने इस फॉरमेट में सबसे अधिक 105 छक्के लगाए हैं. भारत को शनिवार को फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में वेस्टइंडीज के साथ तीन टी-20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेलना है और इसी मुकाबले को दौरान रोहित यह रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहेंगे.

गेल ने हालांकि 58 मैचों में 105 छक्के लगाए हैं. इसके बाद न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल का नाम है, जिनके नाम 76 मैचों में 103 छक्के हैं.गेल भारत के साथ होने वाली इस सीरीज में नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि टी-20 मैचों के लिए उन्हें आराम दिया गया है. वह भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलेंगे. यह उनकी आखिरी वनडे सीरीज होगी.कोहली से अनबन की खबरों के बीच रोहित शर्मा ने कहा, मैं सिर्फ टीम के लिए नहीं...रोहित के नाम टी-20 मैचों में सबसे अधिक रन का रिकॉर्ड है.

कोचिंग स्टाफ: BCCI को मिले 2000 से अधिक आवेदन, नहीं सामने आया कोई हाई-प्रोफाइल नाम

मुंबई. टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ के लिए 2000 से अधिक आवेदन आए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के कोच पद के लिए जो विज्ञापन जारी किया था उसके बाद कई उम्मीदवारों ने आवेदन किए हैं। हालांकि हमारे सहयोगी अखबार मुंबई मिरर के मुताबिक इसमें ऐसा कोई भी बड़ा अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल नहीं है जो रवि शास्त्री को चुनौती दे सके।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टॉम मूडी ने भी टीम इंडिया का मुख्य कोच बनने के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा न्यू जीलैंड की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच और फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग में किंग्स इलेवन पंजाब के साथ जुड़े माइक हेसन भी दावेदारों की सूची में शामिल है। भारतीय क्रिकेटरों की बात करें रॉबिन सिंह और लालचंद राजपूत ने भी कोच बनने की इच्छा जताई है लेकिन यह पता चला है मुख्य कोच के लिए कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आगे नहीं आया है।

हालांकि पहले श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने भारतीय टीम का मुख्य कोच के लिए आवेदन किया है लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार उन्होंने भी अपना रेज्यूमे नहीं भेजा है। मिरर के अनुसार कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों ने अपने एजेंट्स के जरिए आवेदन भेजा था और बीसीसीआई महत्वपूर्ण नामों को शॉर्टलिस्ट करने में अभी और समय ले सकता है। हम पहले ही आपको बता चुके हैं कि साउथ अफ्रीकी दिग्गज जोंटी रोड्स ने भारतीय टीम के फील्डिंग कोच पद के लिए आवेदन किया है।

बीसीसीआई ने मुख्य कोच, फील्डिंग कोच, बैटिंग कोच, बोलिंग कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, स्ट्रेंथ व कंडीशनिंग कोच के अलावा एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजर के पद के लिए आवेदन मंगवाए हैं। टीम के मौजूदा कोचिंग स्टाफ को पूरी प्रक्रिया में ऑटोमैटिक एंट्री मिल गई है। सभी पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख मंगलवार, 30 जुलाई थी। यह बात भी पता चली है कि बीसीसीआई ने कपिल देव की अध्यक्षता वाली क्रिकेट अडवाइजरी कमिटी को ही मुख्य कोच चुनने का अधिकार दिया है।